GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/22 (O-A)–M–**GSM (P-III)-2304**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Mohan Mangawa
Mobile Number:
Medium (English/Hindi): Hindi
Reg. Number: DMPM/9679
Center & Date: 11/07/23
UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0803175

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है? (150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence? (150 Words) 10

किसी मनोवैज्ञानिक विषय, कार्य आदि के प्रति व्यक्ति की शारीरिक व मानसिक क्षमता, अभिरुचि है।
जैसे - सचिन तेंदुलकर की क्रिकेट खेलने की अभिक्षमता।

अभिरुचि के स्रोत

→ व्यक्तिगत विश्वास / पूर्वाग्रह
→ सामाजिक वातावरण की उपस्थिति
→ स्कूली शिक्षा तथा मित्र समूह द्वारा अभिरुचि से उत्पन्न अभिरुचि
उदा० विराट कोहली का क्रिकेट जुनून दोस्तों को खेलते देखकर उत्पन्न हुआ।

रुचि से भिन्नता → किसी कार्य को लगातार करते रहने की क्रिया रुचि है लेकिन अभिरुचि आंतरिक रूप से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निहित क्षमता है। ⇒ मुझे गाने गाना पसन्द है लेकिन मेरी अभिरुचि गायक के समान नहीं है।

<u>कौशल से भिन्नता</u> / किसी कार्य को करने का एक विशिष्ट तरीके का ज्ञान, कौशल है। यह अभिरुचि के निकट है किन्तु इसकी प्रवृति <u>बाहरी</u> है। ⇒ एक व्यक्ति के पास उद्योग कौशल है लेकिन मानसिक स्तर पर चाहत कम है तो अभिरुचि में कमी

<u>बुद्धिमत्ता से भिन्नता</u> / बुद्धिमत्ता व्यक्ति के तार्किक रूप से सोचने व निर्णय करने की क्षमता है। <u>जैसे</u> → आइंस्टीन की भौतिकी में बुद्धिमत्ता / परन्तु अभिरुचि बुद्धिमत्ता के साथ व्यवहार को भी शामिल करती है। ⇒ मेरा दोस्त की गणित हल करने में बुद्धिमत्ता तीव्र है लेकिन व्यवहारिक पक्ष पर वह कम शामिल होता है, इसलिए अभिरुचि की कमी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति का तात्पर्य किसी मनोवैज्ञानिक विषय, व्यक्ति, वर्ग आदि के प्रति व्यक्ति की पूर्वधारणा बना लेना है। <u>उदा०</u> मुस्लिम समाज के प्रति अन्य लोगों की आतंकवादी होने की पूर्वाग्रह।

अभिवृत्ति का अभिरुचि से संबंध

<u>रिचर्ड कैथर</u> के अनुसार अभिरुचि बिना अभिवृत्ति सामान्य अवस्था में रहेगी लेकिन अभिवृत्ति बिना अभिरुचि एक मृत तोप के समान है। जैसे - एक पुलिस अधिकारी में दंगों को रोकने की अभिरुचि है लेकिन समुदाय विशेष के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति के कारण वह अभिरुचि का प्रयोग नहीं करता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति द्वारा अभिरुचि का निर्धारण

① समाज सेवा की अभिवृत्ति → समाज हेतु कुछ करने का कौशल प्राप्त हेतु प्रेरित करेगी → अभिरुचि निर्माण
उदा॰ नीरज चौपड़ा की जेवलिन थ्रो हेतु सकारात्मक अभिवृत्ति ने ओलंपिक मेडल की अभिरुचि प्रदान की।

② अभिरुचि ज्ञान व कौशल द्वारा सीखा जा सकता है → अतः सीखने हेतु इच्छा होना अभिवृत्ति पर निर्भर करता है। उदा॰ महाभारत में कर्ण की धनुर्विद्या सीखने हेतु सकारात्मक अभिवृत्ति ने एक महान योद्धा बनाया।

इस प्रकार अभिवृत्ति द्वारा किसी विषय में किसी अभिरुचि उत्पन्न हो सकती है का निर्धारण किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. (a) "आचार संहिता" एवं "नीति संहिता" के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a "code of conduct" and a "code of ethics"? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकजीवन में सिविल सेवकों के आचरण व व्यवहारों को विनियमित करने हेतु आचार संहिता व आचरण संहिता का पालन किया जाता है।

अंतर

आचार संहिता	आचरण संहिता
→ सैद्धान्तिक	• व्यवहारिक
→ सार्वभौमिकता	• जगह के हिसाब से परिवर्तन संभव
→ नीतिशास्त्रीय सिद्धान्तों का समूह	• संगठन द्वारा बनाये गये नियमों का समूह
→ आंतरिक सहमति	• बाहरी व व्यवहार का निर्धारण
→ प्रमुखतः सकारात्मक आदेश	• सकारात्मक व नकारात्मक दोनों का समावेश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आचार संहिता महत्व।

↳ संगठन के आचरण सिद्धान्त बनाने हेतु दिशा-निर्देशन ⇒ सत्यनिष्ठा रखने हेतु सिविल सेवक को उधार लेने पर पाबंदी लगाना

↳ आचरण सिद्धान्तों का मूल स्रोत व एक नैतिक आधार प्रदानगी।

आचरण संहिता महत्व।

- व्यवहारिक रूप से सिविल सेवकों पर नियंत्रण
  - → लोककल्याण
  - → जवाबदेही
  - → निष्पक्ष रहने हेतु नियम
- समाज-संगठन में सकारात्मक कार्य-संस्कृति हेतु आवश्यक ⇒ गरीबों के प्रति संवेदनशील रहने व मदद करने का भाव।

इस प्रकार एक सिविल सेवक को 'भक्षक से रक्षक' की ओर मोड़ने में आचार व आचरण संहिता महत्ती भूमिका निभाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनामिकता का शाब्दिक अर्थ है- पर्दे के पीछे रहकर कार्य अर्थात अपने कर्तव्यपालन में बिना अपनी पहचान उजागर किए निरंतर ईमानदार व कर्तव्यपरायण बने रहना। ⇒ सरकारी योजनाओं को का कार्यान्वन वाले सिविल सेवक।

निष्पक्षता का तात्पर्य किसी भी निर्णय प्रक्रिया में पूर्व पूर्वाग्रह, राजनीतिक विचारधारा से तटस्थ होकर निर्णय लेना। ⇒ एक जज का निर्णय निष्पक्ष माना जा सकता है।

अनामिकता व निष्पक्षता भारतीय लोकसेवा के मूलभूत आधार

अनामिकता
- → व्यक्ति विशेष के प्रति ज्यादा आग्रह को रोकना
- → अपने स्वार्थ व स्वहित से दूरी बनाकर लोकहित हेतु प्रेरणा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

→ अपने कार्यों के प्रति जवाबदेही रखना
→ किसी विशेष लाभ हेतु कार्य न करना।

निष्पक्षता → लोक विश्वास बहाली हेतु
→ सामाजिक-आर्थिक न्याय के लक्ष्यापूर्ति → Art 38
→ संवेदनशील वर्गों व अल्पसंख्यकों के प्रति निष्पक्ष भाव रखना
→ हितों के टकराव से बचकर लोककल्याण में कार्य करना
→ राजनीतिक दबाव से बचना संभव

इस प्रकार अनामता लोक सिविल सेवा नियम 1968 व निष्पक्षता RTI Act द्वारा सुनिश्चित कर लोक सेवकों हेतु इसे अनिवार्य गुण बना लिया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आप अक्सर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।" - एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10

"You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

अभिवृत्ति किसी विषय के प्रति हमारा नज़रिया है। अतः नज़रिया बदलेंगे तो नज़ारे भी बिल्कुल बदलेंगे। जैसे दलितों के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति को सकारात्मक में बदल देने पर वह शोषण से उत्थान की ओर लेकर जा सकती है।

अभिवृत्ति का परिस्थितियों से संबंध

→ प्रत्येक कार्य को मुश्किल समझना ⇒ आपकी कार्यक्षमता को कम करता है।
→ नकारात्मकता को बढ़ाता है तथा उत्पादकता में क्षीणता
→ सोचने की क्षमता व दायरे को संकीर्ण करता है। ⇒ व्यक्ति विशेष के प्रति द्वेष भावना संचार।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः जरूरत

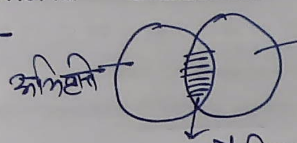

उच्च नैतिक परिणाम।

(1) गांधी जी द्वारा सत्याग्रह की अहिंसा अभिवृत्ति ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने हेतु मजबूर किया।

(2) अशोक की धम्म नीति ने अहिंसा की परिस्थिति उत्पन्न की।

(3) स्वामी विवेकानन्द ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली अभिवृत्ति की पहल की और इसका परिणाम भारतीय आध्यात्मिकता का उसमें समावेशन हुआ।

(4) रानी झांसी की साहसी अभिवृत्ति ने अंग्रेज अधिकारियों को बौना साबित किया।

इस प्रकार अभिवृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन परिणामों को अपनी ओर मोड़ने व एक बेहतर परिस्थिति उत्पन्न करने में सहयोग करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमज़ोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - सैमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वारेन बफेट के अनुसार - "मैं उस व्यक्ति को अपना कर्मचारी नियुक्त करूंगा जिसमें सत्यनिष्ठा, ज्ञान व कौशल की परिपूर्णता हो लेकिन यदि पहला नहीं है तो बाकी दो मेरे किसी काम के नहीं।"

इस प्रकार सत्यनिष्ठा वह साधन है जो हमारे ज्ञान व कौशल जैसी प्रतिभाओं को नियंत्रित करता है। जैसे - लादेन में ज्ञान व तार्किकता अधिकता के बावजूद वह मानव जाति के लिए खतरा बन गया क्योंकि उसमें सत्यनिष्ठा का अभाव था।

सत्यनिष्ठा की जरूरत

(1) व्यक्ति को आत्मकेंद्रित से सार्वकेंद्रित बनाती है ⇒ हैकर में ज्ञान है लेकिन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

वह इस ज्ञान को 'एथिकल हैकिंग' द्वारा प्रयोग करे।

② ईमानदारी व करुणा जैसे गुणों का संचार संभव ⇒ एक गुणी व्यक्ति सदैव अच्छे कार्यों में संलग्न रहेगा

③ ज्ञान व सत्यनिष्ठा संबंध

सत्यनिष्ठ + ज्ञान = खतरनाक नहीं हो सकता

⇓

सामाजिक विकास ⇐ लोक भलाई

→ और अधिक ईमानदारी → सत्यनिष्ठ

इस प्रकार एक स्वस्थ समाज ज्ञान से नहीं बल्कि सत्यनिष्ठा से चलित होता है तथा ज्ञान सत्यनिष्ठा के रथ पर सवार होकर ही चलता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है – जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद। (150 शब्द) 10

"I care only for the spirit – when that is right, everything will be righted by itself." Swami Vivekanand. (150 Words) 10

भावनात्मक शांति बुद्धिमत्ता युक्त व नैतिकता आधारित शांति से स्थायी व ज्यादा कल्याणकारी होती है। इसी कारण आज का भौतिकवादी समाज में व्यक्ति की आंतरिक भावनाओं पर जोर देना ज्यादा जरूरी है।

भावना

सही	गलत
सकारात्मक अभिवृत्ति	नकारात्मक कार्य प्रवृत्ति
लोककल्याण की भावना	केवल स्वार्थ की सर्वोपरिता
एक संतुलित व्यक्तित्व निर्माण	व्यक्तित्व में लोभ व बुरा करने की प्रवृत्ति
सत्यनिष्ठा - ईमानदारी - शुचिता जैसे गुण अंतर्निहित	सदैव अपने हितों को ऊपर रखकर देखना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः भावनाओं का सकारात्मक होना जरूरी है => मेरी गरीब व्यक्तियों के प्रति दया की भावना => मुझे उनके लिए सहायता करने हेतु प्रेरित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावना ही स्रोत है

- अच्छे व्यक्तित्व
- समाज में शांति व समृद्धता की भावना
- सामाजिकता के साथ तार्किकता की वैज्ञानिक भावना
- संवैधानिक लक्ष्यपूर्ति हेतु अपने FRs & FDs के प्रति सही भावना।

अतः भावना का संबंध सीधे हमारे कार्यों व सोच से है ~~अतः~~ तथा यही हमें हमारे लक्ष्यों के प्रति व समाज के कर्तव्यों के प्रति आदर्शी व जवाबदेही बनाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य दूसरों के भावों को समझते हुए स्वयं के संवेगों के साथ सामंजस्य बैठाकर उन्हें नियंत्रित करने की क्षमता। उदा- सिविल सेवक द्वारा दंगास्थल पर भीड़ को समझाकर शांत करना।

कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता

- संबंधों पर प्रभाव
  - अन्य साथियों के साथ अपनी भावनाओं का सामंजस्य बैठाने में
  - दूसरे साथियों को समझाना व उन्हें सकारात्मक ऊर्जा से भरना।
  - भिन्न लिंगों के प्रति सकारात्मक व संवेदनशील नजरिया रखने की सोच विकसित करने में।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रभाव

① समूह गत्यात्मकता पर

- समूह को हमेशा पॉजिटिव मोड में रखने हेतु प्रेरित करना
- टीमवर्क व सफलता पर प्रोत्साहन व असफलता पर जवाबदेही स्वयं लेना
- लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु भावनात्मक मजबूती टीमवर्क को कई गुना बढ़ाती है।

② सहकार्यता। • दूसरों को साथ लेकर चलना

- बेहतर से सीखने की क्षमता
- दूसरों के प्रति सहयोग व सहकारिता भावना।

③ संघर्ष समाधान • एक-दूसरे के भावों को समझकर सही समय पर सही प्रतिक्रिया।

- अपने अधीनस्थों व उच्चाधिकारियों के मध्य सेतु कार्य करके → मतभेद मिटाना
- दोनों समूहों की बात-समझकर मध्यस्थता करने की क्षमता विकास।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कॉर्पोरेट शासन का अर्थ है व्यावसायिक गतिविधियों में आचार संहिता के नैतिक सिद्धान्तों का पालन करते हुए अपने हितधारकों के हितों की रक्षा करना व लाभ कमाना।

कॉर्पोरेट शासन की भूमिका

① अनैतिक व्यवहार रोकने में

- व्यवसाय में नैतिकता लाना → हितधारकों के प्रति प्रतिबद्ध
- पारदर्शिता की व्यवस्था ↓ समयांतर अंकेक्षण की व्यवस्था
- आंतरिक बोर्ड निदेशक तंत्र की गठन व कार्य संचालन में स्वतंत्रता
- अनैतिक व्यवहार पर सजा का प्रावधान
  उदा- सत्यम घोटाले में बैलेन्स शीट छेड़छाड़ पर सजा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

② हितधारकों के हितों की रक्षा

↳ अधिकतम लाभ सुनिश्चित

↳ CSR जैसी गतिविधियाँ → कंपनी की साख में वृद्धि → निवेशकों को विश्वास ↑

और अधिक लाभ ← कंपनी ग्रोथ

कॉर्पोरेट शासन के साथ नैतिक मुद्दे

① बैलेन्स शीट छेड़छाड़ → निवेशकों के साथ धोखा

② उत्पाद गुणवत्ता में कमी करना → उपभोक्ता अधिकार मुद्दा

③ बेहतर कार्य-संस्कृति का अभाव
↳ महिला कर्मचारियों का यौन शोषण

④ असमान व्यवहार → ILO के अनुसार कॉर्पोरेट में 34% कम वेतन महिलाओं को।

⑤ समाज के प्रति जिम्मेदारी से बेरुखी
↳ CSR न करना → गांधी का ट्रस्टीशिप का उल्लंघन

⑥ पर्यावरण का अत्यधिक दोहन व EIA जैसे कार्यों में भ्रष्टाचार

⑦ नेताओं-नौकरशाह के साथ गठजोड़ → टैक्स चोरी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

5. (a) नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नैतिक दुविधा वह स्थिति है जब दो समान रूप से नैतिक प्रसंगों में से एक चुनने की बाध्यता हो और किसी भी एक को चुनकर दूसरे के प्रति अन्याय का भाव पैदा हो।

उदा- एक भूखे बच्चे को दुकान से बिस्किट चुराते हुए पकड़ना → दुकानदार को बताना नैतिक रूप से सही
↳ लेकिन बच्चे के भूखेपन के साथ खिलवाड़

सार्वजनिक जीवन में नैतिक चिंताएं

① स्वहित व परहित के बीच विभेद

② लोक नियमों का पालन या परिस्थिति द्वारा जनित समस्या का पालन

जैसे - झोंपड़ बस्ती सार्वजनिक सेवा पर होने के कारण हटवाना कानूनी सही लेकिन गरीबों का घर उजाड़ना नैतिक नहीं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ लोककल्याण पर खोट या व्यापक हितों की रक्षा
उदा. PDS दुकान पर एक बूढ़ी महिला जिसके पास राशन कार्ड नहीं है के साथ क्या व्यवहार हो।

④ लोक निर्माण कार्यों में पर्यावरण व विकास में से किसे महत्व दें।

⑤ स्वयं के पदोन्नति हेतु भ्रष्टाचार या ईमानदार रहने की सजा के रूप में ट्रांसफर।

⑥ अपनी शुचिता को बनाये रखने हेतु कठिन समय का सामना अथवा राजनैतिक गठजोड़ द्वारा धन की कमाई।

इस प्रकार दैनिक रूप से कई प्रकार के नैतिक दुविधाओं से जूझना पड़ता है लेकिन कानून का पालन व व्यापक हित साधना को ध्यान में रखकर इसका समाधान संभव है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये: (150 शब्द) 10
Write short notes on the following in 30 words each: (150 Words) 10

(i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
(ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
(iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
(iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
(v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नैतिक प्रशासन - सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता व जवाबदेहिता जैसे नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रशासन। उदा. RTI Act द्वारा प्रशासन में जवाबदेहिता की व्यवस्था।

वस्तुनिष्ठता & निष्ठा - किसी निर्णय को लेने में अपने सभी पूर्वाग्रहों से मुक्ति, वस्तुनिष्ठता है। तथा अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण ईमानदारी से कार्य निष्ठा को इंगित करता है। उदा. उसैन बोल्ट का अपने खेल के प्रति निष्ठा

निजि क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ
किसी अच्छे कार्य को करने में यदि थोड़ा बहुत अनैतिकता का भी सहारा ले लेना पड़े तो यह नैतिक विकृति है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जैसे- किसी की जान बचाने हेतु झूठ बोलना।

(iv) सहानुभूति & करुणा - किसी पीड़ित व्यक्ति को देखकर जागरूक होने वाले व्यक्तिगत भाव जो 'स्व व पर' के बीच कमी को मिटाकर सहायता हेतु तत्पर हो जाते हैं।
करुणा, सहानुभूति से आगे बढ़कर व्यक्ति के लिए सहायता करने हेतु कार्य करने को दर्शाता है। जैसे किसी भूखे बच्चे को देखकर दुख व्यक्त करना सहानुभूति है लेकिन उसे भोजन प्रदान कर सेवा करने की व्यवस्था करुणा है।

(v) RTI Act - 2005 → शासन में पारदर्शिता व सिविल सेवकों की जवाबदेहिता बढ़ाने हेतु।
- शासन को लोक केन्द्रित बनाना
- विश्वास बहाली
- लोकतांत्रिक मूल्यों सामा०-आर्थिक कल्याण की पूर्ति
- भ्रष्टाचार को रोकने हेतु।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्त्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं? (150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से आशय नैतिकता के उच्च आदर्शों को बनाये रखने से है जो शासन को सुशासन की ओर प्रवृत्त करती है। जैसे ⇒ ईमानदारी-पूर्ण शासन व्यवस्था लोकोन्मुखी होगी।

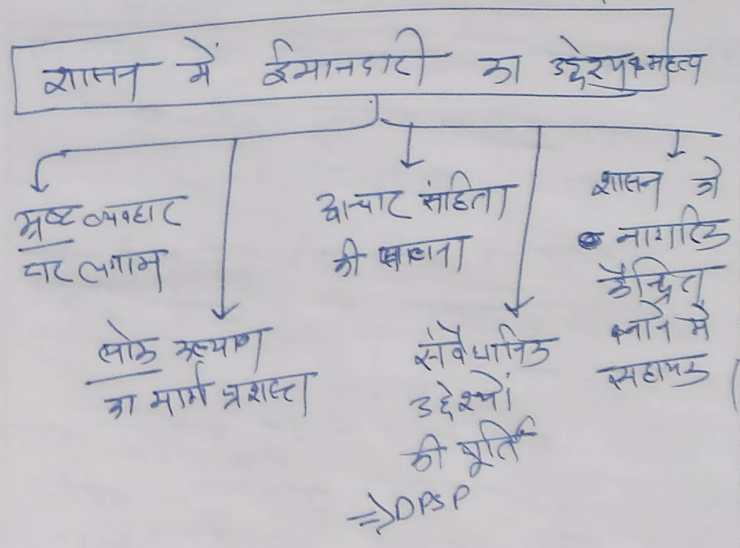

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ईमानदारी सुनिश्चित के उपाय

① पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाना
↳ RTI & CVC, लोकपाल द्वारा।

② सकारात्मक कार्य-संस्कृति को बढ़ावा
↳ लैंगिक संवेदनशीलता
↳ नवाचार पर पुरस्कार
↳ भ्रष्टाचार पर जीरो टोलेंस

③ बेहतर मूल्य स्थापना हेतु प्रशिक्षण
↳ जैसे - कर्मयोगी.

④ बेहतर नेतृत्वकर्ताओं की जरूरत
↳ जैसे - सत्येन्द्र दूबे के समान अधिकारी।

⑤ करुणा व संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु ग्राउंड लेवल पर कार्य करने हेतु प्रोत्साहन।

इस प्रकार एक सफल प्रशासन व्यवस्था ही सफल सामाजिक-आर्थिक विकास का आधार बनती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

डेनियल गोलमेन के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता अपने साथ साथ दूसरों के भी भावनाओं-संवेगों को प्रबंधित करने की क्षमता है।

जैसे => गुस्से से ग्रसित व्यक्ति के समक्ष स्वयं को शांत रखना।

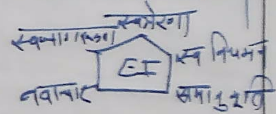

लोकसेवक में EI

↳ व्यापक जनसंपर्क हेतु
उदा- नागौर DSP द्वारा सांप्रदायिक भीड़ के बीच बिना हथियार जाकर संवाद स्थापना।

↳ योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु
उदा. Covid19 टीके के प्रति दुविधा में परिवर्तन हेतु सिविल सेवकों द्वारा कार्य।

↳ शासक का लोगों के प्रति जवाबदेही हेतु जरूरी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ मानसिक स्वास्थ्य व शांति हेतु जरूरी

↳ स्व-भावनाओं व संवेगों को प्रबंधित करते हुए व्यवहार में लगाना।

↳ समानुभूति व संवेदनशीलता हेतु जरूरी ⇒ कोझिकोड DM द्वारा LGBTQ+ के लिए 'इन्द्रधनुष' कार्यक्रम।

↳ बेहतर प्रदर्शन क्षमता का विकास
उदा. प्रकाश पोद्दार (DM ओडिशा राज्य) द्वारा जनजातियों को नक्सल प्रभाव से बचाते हुए कौशल कार्य।

इस प्रकार एक 'ऑल राउंड डेवलपमेंट' व अन्य नैतिक मूल्यों का प्रयोग तभी संभव है जब व्यक्ति भावनात्मक बुद्धिमत्ता से युक्त हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरे हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये

(b) आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above situation

(b) What are the ethical dilemmas being faced by you?

(c) What step will you take in this situation?

देश में निरंतर बढ़ती अवैध खनन और प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रयासों के बावजूद इसमें कमी न होने की समस्या पर आधारित इस केस स्टडी में कई मुद्दे शामिल हैं -

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(a) प्रमुख हितधारक

1. खनन माफिया
2. स्थानीय विधायक
3. अधिकारी के रूप में स्वयं
4. स्थानीय जनता
5. मजदूर
6. पर्यावरण व जीव जन्तु
7. सरकार

(b) **नैतिक मुद्दे**

(a) खनन माफिया का मामलों को पुलिस तक न पहुँचने देना → कार्यवाही हेतु आधार की कमी।

(b) स्थानीय पुलिस में DCP की मौत के बाद डर → सफल कार्य करने में कठिनाई / मनोबल कमजोर

(c) स्थानीय विधायक के साथ माफिया का गठजोड़ → पुलिस कार्यवाही को प्रभावित
↳ प्रशासनिक मशीनरी का गलत प्रयोग करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) खनन रोकने पर स्थानीय मजदूरों के जीवनयापन पर प्रभाव
↳ उनके ऊपर आश्रित परिवारों को कठिनाई का सामना

(e) पर्यावरण की रक्षा व जीव-जन्तु अधिकारों हेतु बचाव कार्य करने का मुद्दा।

(f) DCP अधिकारी को पर्याप्त सम्मान व उनके त्याग को पहचान दिलाने का मुद्दा।

(g) व्यक्तिगत स्तर पर सत्यनिष्ठा से कार्य करने व बिना डर/दबाव भय के कार्य करने का मुद्दा।

मेरे द्वारा उठाये जाने वाले कदम

(1) क्रियान्वयनकारी

- सर्वप्रथम पुराना रिपोर्ट मंगाकर उसकी जाँच करके एक नई रिपोर्ट तैयार करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- DCP की हत्या के साक्ष्यों को इकट्ठा करना → ताकि गिरफ्तारी का मजबूत आधार मिले।
- स्थानीय थानों की पुलिस के सबसे अच्छे सिपाहियों की एक टास्क-फोर्स बनाकर → गुप्तचरी व रिपोर्ट बनाने पर कार्य।

③ प्रतिक्रियात्मक

- माफियाओं से सीधे अपील करके → खनन रोकना। यदि नहीं मानते हैं तो अधिक पुलिस बल के साथ रंगे-हाथों पकड़ने व गिरफ्तार करना।
- विभिन्न स्थानीय लोगों व मजदूरों को साक्ष्य बनाकर DCP हत्या के दोषियों को पकड़ना।
- स्थानीय विधायक को दबाव बनाने पर अनुनयन क्षमता द्वारा समझाने तथा ऐसी गतिविधियों में शामिल न रहने की अपील।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- खनन क्षेत्रों पर EIA हेतु सरकार को रिपोर्ट ⇒ ड्रोन निगरानी सेवा लगाने की अपील

③ सामाजिक सुरक्षात्मक

- मजदूरों की आय साधन छिनने पर अन्य स्रोतों जैसे मनरेगा व कृषि क्षेत्रों में संलग्न हेतु प्रोत्साहन।
- इन्हें PDS से जोड़कर खाद्य-सुरक्षा व इनके बच्चों की शिक्षा व्यवस्था का कार्य → स्थानीय सरकारी विद्यालय प्रधानाचार्य से बात करके।
- स्थानीय लोगों में पर्यावरण व अन्याय के प्रति विरोध हेतु साहस व जागरूकता बढ़ाना।

इस प्रकार अपने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा व अनुनयन क्षमताओं द्वारा इस समस्या का समाधान निकालना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे ज़िले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

हाल के समय में पूर्वोत्तर क्षेत्र व महाराष्ट्र के नागरिक क्षेत्रों में हुए दंगों ने पुलिस प्रशासन व शासन-प्रशासन के समक्ष चुनौती प्रस्तुत की है। इसी प्रकार की एक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्थिति से निपटने पर आधारित यह केस स्टडी है।

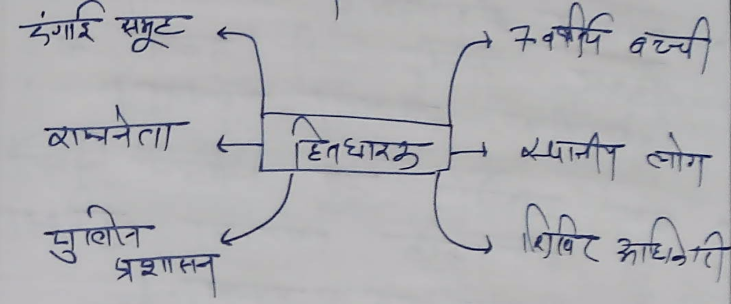

(a) विभिन्न दृष्टिकोण

→ गंभीर नागरिक अशांति को रोकने हेतु उपाय करना

→ फेक न्यूज व बढ़ते अशांत माहौल को शीघ्रातिशीघ्र ठीक करना।

→ बच्ची की जान बचाना व समय पर घायलों की चिकित्सा प्रदान करना

→ दंगाईयों के मुख्य दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाना।

→ विभिन्न राजनीतिक नेताओं को साथ लेकर शांति बहाल करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) मेरी कार्यवाही का तरीका

- सर्वप्रथम शीघ्रातिशीघ्र घटनास्थल पर पहुँचकर गोली लगी बच्चों को चिकित्सकीय सहायता पहुँचाना।
- अन्य घायलों हेतु चिकित्सा विभागों से बात करके चिकित्सा सुविधा की बहाली व सुरक्षा।
- गुप्तचर विभागों द्वारा घटना के असली मास्टरमाइंडों तक पहुँचना व संवाद स्थापना → यदि नहीं तो बल प्रयोग द्वारा गिरफ्तारी
- हत्या में शामिल व्यक्तियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा हेतु प्रयास।
- सोशल मीडिया फेक न्यूज पर साइबर सेल द्वारा कार्यवाही व स्वयं एक पब्लिक नोट/वीडियो द्वारा स्थिति स्पष्ट करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(c) कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- विभिन्न समूहों के बीच संवाद स्थापना
  ↳ क्योंकि → बात करने से ही बात बनती है।
- सुरक्षा-व्यवस्था व अशांत रहे क्षेत्रों में पुलिस की ज्यादा पेट्रोलिंग करवाना।
- अपने गुप्तचर तंत्र को मजबूत रखना ताकि हिंसा की पूर्व जानकारी संभव हो। ⇒ समय पर सही एक्शन लिए जा सकें।
- कानून के शासन के तहत अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही व पीड़ितों को पर्याप्त न्याय दिलवाना ⇒ सार्वजनिक विश्वास बहाली

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- स्थानीय थानों व पुलिस को विशेष कॉम्बैट ट्रेनिंग ताकि हिंसा के समय निपट सकें।
- थानों को स्पेशल इक्विपमेंट व संचार व्यवस्था से जोड़ना ताकि तीव्र प्रतिक्रिया।
- स्थानीय मीडिया व सोशल साइट्स को संवेदनशील होने व फेक खबरों से दूर रहने की सलाह।

इस प्रकार एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए एक प्रक्रियात्मक कार्यवाही द्वारा इस समस्या का समाधान संभव है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्त्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर ज़ोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?

(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?

(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

(a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?

(b) Evaluate all the options available to you?

(c) Which option would you opt for and why?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बढ़ते प्रतिस्पर्धी माहौल में सफलता हेतु किसी भी मार्ग का प्रयोग आम बात हो गई है और इसी साधन - साध्य अपवित्रता पर आधारित इस केस स्टडी का अध्ययन हमें करना है।

(a) नैतिक संशय

- दोस्त द्वारा की गई सहायता बनाम उसके द्वारा किया जा रहा अनैतिक कार्य।
- स्वहित बनाम सार्वजनिक हित
- अन्य छात्रों के साथ अन्याय का नैतिक पक्ष
- झूठ का साथ देने की मजबूरी
- दोस्त के कृत्यों के खिलाफ कदम न उठाना बनाम शिकायत करके उसे दंड दिलवाना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- सत्यनिष्ठा बनाम स्वार्थ

(b) उपलब्ध विकल्प

- अपने दोस्त रमन की बात का समर्थन करना व स्वयं भी EWS हेतु अप्लाई करना

पक्ष	विपक्ष
→ तात्कालिक लक्ष्यपूर्ति	→ गलत का साथ
→ बेहतर कॉलेज मिलने की संभावना	→ सत्यनिष्ठा से समझौता
→ बेहतर भविष्य व नौकरी की संभावना	→ अन्य विद्यार्थियों के साथ धोखा
→ दोस्ती बनी रहेगी	→ एक बुरी आदत आगे कई बुरी आदतों को प्रोत्साहित करेगी।

- अपने दोस्त रमन की बात तो न मानना लेकिन उसके द्वारा की गई सहायता के कारण उसकी शिकायत न करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पक्ष	विपक्ष
→ दोस्ती बनी रहेगी	→ अन्याय से तटस्थता भी अन्याय ही है
→ स्वहित पर कोई प्रभाव नहीं	→ एक दोस्त को बुरी राह पर धकेलना
→ अपनी निष्ठा की पूर्ति	→ नैतिक कर्तव्य से दूर भागना
→ तटस्थता का पालन	→ सत्यनिष्ठा व शुचिता पालन नहीं

• रमन को समझाना कि वह नैतिक रूप से सही नहीं कर रहा है। वह एक 'ब्राइट - स्टूडेंट' है तथा वह बिना भ्रष्टाचार के भी इस परीक्षा में मेहनत से उत्तीर्ण हो सकता है।

पक्ष	विपक्ष
→ अपनी शुचिता का पालन	→ एक भ्रष्टाचार करने वाले को बचाना
→ दोस्ती व दोस्त दोनों का गलत कामों से बचाव।	→ स्वहित की अनदेखी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ सार्वजनिक हित में

→ अन्याय का विरोध व न्यायपूर्ण व्यवहार।

(c) विकल्प चुनाव

मैं तीसरा विकल्प चुनूंगा इसके निम्न कारण हैं:-

1. मेरी कर्तव्य के प्रति पालना
2. दोस्त द्वारा किए गए मेरे लिए कार्यों के प्रति मेरी कृतज्ञता का पालन
3. भटके हुए व्यक्ति को सही राह
4. शिकायत करने की बजाय उसे अपनी अनुनय क्षमता का पालन कर उसे व उसके परिवार को समझाना
5. मेहनत हेतु कई महापुरुषों - गांधी, अब्राहम लिंकन का उदाहरण पेश करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिज़ाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं? (250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances? (250 Words) 20

हाल ही में गुजरात का मोरबी पुल हो या बिहार में नदी के ऊपर बने पुल का ढहाव, सभी ने इस क्षेत्रों में होती व्यापक लापरवाही, भ्रष्टाचार व जनता के धन व जान की हानि की ओर हमारा ~~ध्यानाकर्षण~~ किया। इसी पर आधारित यह केस स्टडी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) नैतिक मुद्दे

- → सार्वजनिक हित में कार्य न करना
- → इंजीनियरों का भ्रष्ट व्यवहार
- → प्रशासनिक मशीनरी की उदासीनता व यथास्थितिवाद
- → राजनेताओं द्वारा किया जाने वाला व्यापक भ्रष्टाचार व अपने पदों का गलत प्रयोग का मुद्दा।
- → जनता के धन की हानि।
- → व्यापक जान-माल की हानि के दोषियों की पहचान का मुद्दा
- → ठेकेदार - प्रशासन - राजनेता - पुलिस गठजोड़
- → जनता की सार्वजनिक कार्यों पर विश्वास घटनी का मुद्दा।
- → सामाजिक अंकेक्षण में कमी का मुद्दा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) **स्वयं द्वारा कार्य**

कार्यात्मक → पुल की व्यापक जाँच
→ सुरक्षा मानदंडों को पुनः जाँच ताकि त्रुटि सम्भावना न हो।
→ प्रयोग किए गए वस्तु-निर्माणों की गहन जाँच / एवं रिपोर्ट बनाना

प्रतिक्रियात्मक

- खामी प्राप्ति की रिपोर्ट को अपने उच्चाधिकारियों को भेजना
- ठेकेदार से बात कर इसके कारण जानना व इस समस्या को ठीक करने हेतु दबाव बनाना
- राजनैतिक दबावों के बावजूद अपने तथ्यों व रिपोर्ट तथ्यों पर अडिग रहना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- यदि जीवन को गंभीर खतरा हो तो साहस के साथ पुलिस सहायता प्राप्त करना।
- कोई कार्रवाई यदि उच्चाधिकारियों द्वारा भी न हो तो सोशल मीडिया व सिविल सोसायटी का सहारा लेना ⇒ जान-माल की हानि बचाने हेतु यह आवश्यक।
- जब तक खामियाँ दूर नहीं हो अंतिम मंजूरी न देना ⇒ सरकार या मंत्री को व्यापक जानकारी से अवगत करा सकते हैं ⇒ ट्विटर आदि की सहायता द्वारा

(c) **त्रुटियाँ या विफलताओं को स्वीकार्यता**

→ जीवन में सीखने हेतु विफलताएँ जरूरी है तथा इस सीखने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में कई त्रुटियाँ भी होती है।

→ यह त्रुटियाँ व्यक्तिगत हो तो स्वीकार्य है लेकिन सार्वजनिक व जान-माल का नुकसान स्वीकार्य नहीं है।

→ अपनी त्रुटियों से किसी की जान जोखिम में डालना नैतिकता की दृष्टि से सही नहीं है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह ज़िले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके ज़िले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?

(b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।

(c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

(a) Who are the different stakeholders involved in this case?

(b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.

(c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये ज़िम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मी को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।

(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above case

(b) Discuss the ethical issues involved in this case.

(c) What steps would you take in the above situation?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation